हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, गुरुवार 19 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 24 .4 डिग्री
न्यूनतम 13 .6 डिग्री

11 कराटे में जाट कॉलेज रोहतक के सत्यप्रकाश ...

12 बदहाली की दलदल में फंसी गलियां

जेएनएल सूखी...कंठ भी सुखा रही

01 नहर
04 वाटर वर्क्स
100 से अधिक कॉलोनियों के हजारों लोग प्यासे
8.25 करोड़ लीटर पानी रोज होता सप्लाई
4.25 करोड़ लीटर पानी रोज मिल पा रहा

बिन पानी सब सून...

- तकनीकी कारणों व मरम्मत के चलते नहीं छोड़ा रहा पानी
- केवल पांच से दस मिनट तक ही आता है पानी, क्या करें लोग
- एक मार्च के बाद ही सुचारू रूप से मिल पाएगा नहर से पानी
- अभी निजी टैंकरों व हैंडपंपों से पानी लाने का मजबूर शहरवासी

1 आधे से ज्यादा शहर में सिर्फ एक समय हो रही जलापूर्ति

2 आगे गर्मियां आ रही, और खराब हो सकते हैं हालात

विभाग का दावा वैकल्पिक स्रोतों से सप्लाई बनाए रखने की कोशिश की जा रही, बढ़ती मांग के बीच निर्बाध पानी की सप्लाई कर पाना मुश्किल हो रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर में जल संकट गहराने लगा है। जेएलएन नहर में पानी की आपूर्ति बंद होने के बाद आधे से ज्यादा शहर में पेयजल सप्लाई एक समय कर दी गई है। जो जेएनएल शहर की प्यास बुझाती है, वहीं सूखी है तो लोगों के कंठ भी सूखने लगे हैं। आगे गर्मी का सीजन है, ऐसे में पानी की पूरी सप्लाई नहीं होने से समस्या और बढ़ सकती है। स्थिति यह है कि सुबह के समय मात्र पांच से दस मिनट तक ही पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि लोगों को सब्र रखना होगा। एक मार्च के बाद ही नहर में पानी आएगा। तब तक एक समय सप्लाई दी जा रही है। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, नहर में तकनीकी कारणों और मरम्मत कार्य के चलते पानी की आवक अस्थायी रूप से बंद की गई है। हालांकि विभाग का दावा है कि वैकल्पिक स्रोतों से सप्लाई बनाए रखने की कोशिश की जा रही है, लेकिन बढ़ती मांग के बीच व्यवस्था पूरी तरह संभल नहीं पा रही है।

कई परिवार निजी टैंकरों पर निर्भर

शहर की कई दर्जन कॉलोनियां इस संकट से प्रभावित हो चुकी हैं। लोगों का कहना है कि पहले जहां रोजाना पर्याप्त पानी मिल जाता था, वहीं अब बाल्टियां और टंकियां भरना भी मुश्किल हो गया है। सुबह के सीमित समय में पानी आने से घरों में अफरा-तफरी का माहौल रहता है। कई परिवारों को निजी टैंकरों पर निर्भर होना पड़ रहा है, जिससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। कम समय की सप्लाई के कारण दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बच्चों के स्कूल और दफ्तर जाने की जल्दी में पानी भरना एक बड़ी चुनौती बन गया है। वहीं बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को विशेष परेशानी झेलनी पड़ रही है।

गर्मी बढ़ने से खपत बढ़ी, जल्द स्थायी समाधान की मांग

स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से जल्द स्थायी समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते नहर की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की खपत भी बढ़ेगी, जिससे संकट और गहरा सकता है।

श्रीराम नगर में न सुबह पानी आ रहा और न शाम को

सुनारिया रोड स्थित श्रीराम नगर में न तो सुबह पानी आता है और न ही शाम को पानी मिल रहा है। करीब एक सप्ताह से पानी की समस्या बनी हुई है। 800 रुपये में टैंकर मंगवा कर पानी खरीदना पड़ता है। इसके अलावा दूर दराज स्थित नलों से पानी भरकर लाना पड़ रहा है। कॉलोनी में 250 से अधिक घर इससे प्रभावित हैं।

2200 क्यूसेक है जेएलएन की क्षमता

जेएलएन नहर की क्षमता करीब 2200 क्यूसेक तक है। जिससे शहर के चार प्रमुख जलघरों में पानी स्टोर किया जाता है। सोनीपत स्टैंड, सोनीपत रोड नहर के पास, देव कॉलोनी और झज्जर रोड पर जलघर बनाए गए हैं। जिनमें एक माह तक के लिए पानी स्टोर किया जा सकता है। अब आगे की सप्लाई इन जलघरों से ही दी जाएगी। इसके साथ ही शहर के चारों जलघरों से रोजाना शहर में 8 करोड़ लीटर से ज्यादा पानी की आपूर्ति हो रही है। लेकिन जन स्वास्थ्य विभाग 145 लीटर प्रति व्यक्ति की आपूर्ति नहीं कर पाता।

इन कॉलोनियों में दिक्कत

शहर के गोहाना रोड, राजेंद्र नगर, सूर्या नगर, बसंत विहार, ऋषि नगर, शास्त्री नगर, सुखपुरा, तेज कॉलोनी, पाड़ा मोहल्ला, सलारा मोहल्ला, डेयरी मोहल्ला, माता दरवाजा, रुप नगर, इंदिरा कॉलोनी, झज्जर रोड, काठमंडी, कन्हैली रोड, प्रीत विहार, पटेल नगर, जगदीश कॉलोनी, डीएलफ कॉलोनी, आर्य नगर सहित 100 से अधिक कॉलोनियों में एक समय ही पानी की सप्लाई आ रही।

एनओसी के बदले मांगे थे सवा लाख रुपये

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड का एसडीओ घूस लेते पकड़ा

रोहतक। रिश्वत लेना का आरोपित एसडीओ एसीबी टीम की गिरफ्त में।

फैक्ट्री के लिए एनओसी जारी करने के लिए मांगी थी रिश्वत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड में तैनात एक एसडीओ को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रोहतक और सोनीपत की संयुक्त एसीबी टीम द्वारा की गई। आरोपी अधिकारी की पहचान मंजीत सिंह निवासी झज्जर के रूप में हुई है, जो हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में एसडीओ के पद पर कार्यरत था। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आरोपी ने झज्जर जिले में स्थापित की जा रही एक फैक्ट्री के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के एवज में सवा लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता, जो दिल्ली का निवासी और संबंधित कंपनी का मालिक है, ने आरोप लगाया कि एसडीओ ने स्पष्ट रूप से कहा था कि बिना रिश्वत राशि दिए एनओसी जारी नहीं की जाएगी।

रिश्वत की रकम बरामद

कंपनी मालिक ने मामले की शिकायत हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो को दी। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से रिश्वत की पूरी रकम बरामद कर ली। आरोपी को हिरासत में लेकर उससे विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

सख्त कार्रवाई होगी

एसीबी के अधिकारियों ने दोहराया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है और किसी भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई अधिकारी रिश्वत की मांग करता है तो तुरंत इसकी सूचना एसीबी को दें। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है।

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।
- मदवि में इंटर कॉलेज कराटे प्रतियोगिता का आयोजन।

बिजली कट

- सुबह 10.00 से दोपहर 01.00 बजे तक

विशाल नगर, यशपाल की डेयरी के पास का एरिया, लक्ष्मी गर्ल हॉस्टल के पास का एरिया, दिल्ली रोड

चार विशेष टीमें लगातार कर रही हैं छापेमारी

गैंगवार: दिनेश उर्फ गोगा हत्याकांड में कार्रवाई तेज

रोहतक। दिल्ली बाइपास पर हुई गैंगवार में मारे गए दिनेश उर्फ गोगा हत्याकांड में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने चार विशेष टीमों का गठन किया है, जो दिल्ली और उत्तर प्रदेश के विभिन्न ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस दौरान एक आरोपी का एंकाउंटर किया है। फिलहाल आरोपी का पीजीआई के ट्रामा सेंटर में उपचार चल रहा है।

बदमाशों की संख्या तीन से चार

पुलिस सूत्रों के अनुसार, वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों की संख्या तीन से चार बताई जा रही है। घटना के बाद वे अलग-अलग दिशाओं में फरार हुए। पुलिस को शक है कि हमलावर पहले से ही रेकी कर रहे थे और मौका मिलते ही वारदात को अंजाम दिया। इस बात की भी जांच की जा रही है कि बदमाशों को स्थानीय स्तर पर किसी ने मदद तो नहीं पहुंचाई।

बरसे बदरा...

बारिश से फसलों को फायदा किसानों के चेहरे खिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक/सांपला

जिले में बुधवार को हुई हल्की बारिश ने किसानों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। लंबे समय से पानी की जरूरत महसूस कर रही रबी फसलों के लिए यह बारिश किसी संजीवनी से कम नहीं मानी जा रही। खासतौर पर गेहूं और सरसों की फसल को इससे सीधा लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। क्षेत्र में इस समय सरसों की फसल में फलियां बन चुकी हैं, जबकि गेहूं में बालियां निकलनी शुरू हो गई हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह दोनों फसलों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण चरण होता है, जब उन्हें पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। बारिश फसलों की बढ़वार, दाने के भराव और उत्पादन क्षमता को बेहतर बनाने में सहायक होगी।

जिले में लगभग एक लाख चार हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई

जिले में लगभग एक लाख चार हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई की गई है, जबकि करीब 13 हजार हेक्टेयर में सरसों की फसल खड़ी है। दोनों फसलें अब पकने की अवस्था की ओर बढ़ रही हैं। यदि मौसम अनुकूल बना रहा तो उत्पादन अच्छा रहने की संभावना है।

मामले में अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही

निदाना हत्याकांड का 5वां आरोपी भी धर दबोचा

रोहतक। जिले के गांव निंदाना में युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को काबू किया। आरोपी की पहचान विक्की उर्फ मोगली पुत्र बलवान निवासी लाइन पार बहादुरगढ़ के रूप में हुई। मामले में पुलिस चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया।

रंजिश के चलते हुई वारदात

मृतक के भाई रामनिवास की शिकायत पर थाना महम में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। बताया गया कि निंदाना गांव के अंकित उर्फ गोधू से मुकदमों को लेकर रंजिश चली आ रही थी। घटना के दिन शमशेर, वजीर, कृष्ण, दीपक और संजीत महम आए हुए थे। वजीर भिवानी जाने वाली बस का इंतजार कर रहा था, तभी बाइक पर सवार दो युवकों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

होली पर्व पर रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत

रोहतक से होकर दौड़ेंगी 4 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

खाटू श्याम के लिए हिसार-जयपुर अनारक्षित स्पेशल, 25 फरवरी से 29 मार्च तक विशेष संचालन

रोहतक। होली पर्व और खाटू श्याम मेले के मद्देनजर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे ने हरियाणा से होकर गुजरने वाली चार साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों के संचालन का फैसला लिया है। इन ट्रेनों का संचालन 26 फरवरी से 29 मार्च तक किया जाएगा, जिससे खाटू श्याम जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ लंबी दूरी के यात्रियों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी। इन स्पेशल ट्रेनों का ठहराव हरियाणा के रोहतक, रेवाड़ी, गुरुग्राम, लोहारू, महेंद्रगढ़, डबवाली, रामां, सिरसा, आदमपुर, हिसार, हांसी जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा। विशेष रूप से खाटू श्याम मेले को ध्यान में रखते हुए 25 से 28 फरवरी के बीच हिसार–जयपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी, जो श्रद्धालुओं के लिए सीधी और किफायती यात्रा का विकल्प बनेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, हिसार–जयपुर स्पेशल ट्रेन चार ट्रिप करेगी। यह ट्रेन सुबह 5:50 बजे हिसार से रवाना होकर दोपहर एक बजे जयपुर पहुंचेगी, जबकि वापसी में जयपुर से 14:50 बजे चलकर रात 10:25 बजे हिसार पहुंचेगी। रास्ते में यह सिवानी, सादुलपुर, लोहारू, चिड़ावा, झुंझुनूं, नवलगढ़, सीकर, रींगस सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। इसके अलावा 5 मार्च से जोधपुर गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल, श्रीगंगानगर समस्तीपुर और श्रीगंगानगर गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी शुरू होगा। वहीं, उदयपुर सिटी ऋषिकेश साप्ताहिक स्पेशल हर सप्ताह निर्धारित दिनों में चलेगी। विशेष ट्रेनों से त्योहारों के दौरान यात्रियों को भीड़ से राहत मिलेगी और आस पास के राज्यों के लोगों को सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा।

एमडीयू में हंगामा, वीसी ने रजिस्ट्रार डॉ. कृष्ण को सस्पेंड किया, राज्यपाल ने बहाल कर दिया

नई नियुक्तियां व प्रमोशन का मसला अधर में, अब नए कुलपति की नियुक्ति के बाद ही होगा फैसला

20 फरवरी को वीसी का कार्यकाल खत्म हो रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी (एमडीयू) में बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार देर रात कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने रजिस्ट्रार डॉ. कृष्ण कांत और कंप्यूटर साइंस विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. नसीब सिंह गिल को सस्पेंड कर दिया था। इसकी वजह रजिस्ट्रार द्वारा कुलपति के आदेशों की अवहेलना बताई गई। कुलपति की ओर से जारी निलंबन आदेश में कहा गया कि रजिस्ट्रार के रवैये से विश्वविद्यालय का काम थम गया है। इस घटनाक्रम से पहले उच्चतर शिक्षा विभाग ने कुलपति को बुधवार को प्रस्तावित कार्यकारी परिषद (ईसी) की मीटिंग न करने का आदेश दिया था, हालांकि इसके बाद भी उन्होंने इसे नहीं टाला और नियत समय पर बैठक शुरू कर दी। इस बैठक में पुरानी नियुक्तियों की पुष्टि करने के साथ असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसरों को प्रमोशन दिया जाना था। इसके साथ ही गरीब व दिव्यांग विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा व हॉस्टल सुविधा देने का भी प्रस्ताव था। बता दें कि 20 फरवरी को कुलपति प्रो. राजबीर का कार्यकाल खत्म होने वाला है। यह बैठक स्थगित होने से नए नियुक्त शिक्षकों व प्रमोशन का इंतजार कर रहे प्रोफेसरों व गैर शिक्षक कर्मियों का भविष्य अधर में लटक गया है। अब उनके बारे में कोई भी फैसला नए वीसी की नियुक्ति के बाद ही हो सकेगा।

प्रदर्शन करते गैर शिक्षक कर्मचारी

कुलपति की अध्यक्षता में होनी थी बैठक

ईसी की बैठक कुलपति की अध्यक्षता में होनी थी। इससे पहले रजिस्ट्रार कृष्ण कांत ने लेटर जारी कर कहा था कि बैठक में कोई अधिकारी शामिल नहीं होगा। यही कुलसचिव के निलंबन की वजह भी बनी। निलंबन के बाद कुलसचिव ने विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और राज्यपाल के पास गुहार लगाई। विवाद बढ़ता देख बुधवार को गवर्नर ऑफिस की तरफ से 2 लेटर जारी किए गए। पहले लेटर में ईसी की मीटिंग कैंसिल करने के ऑर्डर दिए। दूसरे लेटर में उन्होंने रजिस्ट्रार डॉ. कृष्ण कांत को बहाल करने के आदेश जारी किए। यह एमडीयू में 304वीं कार्यकारी परिषद (ईसी) की मीटिंग थी। राज्यपाल कार्यालय की आपत्ति के बाद इसे अगले आदेश तक स्थगित करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

हमारी लड़ाई एजेंडे पर: नॉन टीचिंग प्रधान सुरेश कौशिक ने कहा भी कि हमारी लड़ाई एजेंडे पर है। हमारा मकसद है कि ईसी की मीटिंग होनी चाहिए। अगर ईसी की मीटिंग नहीं होगी तो हमारे प्रमोशन रुक जाएंगे। उधर, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने भी अपने निलंबन को पूरी तरह अवैध बताते हुए कुलपति की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए। उनका कहना था कि उनकी नियुक्ति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति (राज्यपाल) की स्वीकृति से हुई है, इसलिए उन्हें निलंबित करने का अधिकार कुलपति को नहीं है।

डॉ. नसीब सिंह गिल पर गिरी गाज: कंप्यूटर साइंस और एप्लीकेशन विभाग के प्रोफेसर डॉ. नसीब सिंह गिल को सस्पेंड कर दिया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह निर्णय संस्थान के अनुशासन को बनाए रखने, कार्यकारी परिषद की निर्णय प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा करने और प्रशासनिक गरिमा बनाए रखने के लिए लिया गया है। यह सस्पेंशन तब तक रहेगा जब तक उनके खिलाफ होने वाली जांच और कार्यकारी परिषद का आखिरी फैसला नहीं आ जाता।

सीबीएसई परीक्षाओं के मद्देनजर निषेधाज्ञा लागू

रोहतक। जिलाधीश सचिन गुप्ता ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित करवाई जा रही माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षाओं के दृष्टिगत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला में स्थित परीक्षा केंद्रों के नजदीक निषेधाज्ञा आदेश जारी किए हैं। जिलाधीश सचिन गुप्ता द्वारा यह आदेश बोर्ड परीक्षाओं को निष्पक्ष, नकल रहित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के दृष्टिगत जारी किये गए है। जारी आदेश के तहत परीक्षा केंद्रों की 100 मीटर की परिधि में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने, परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के हथियार जैसे आग्नेयास्त्र, तलवार, गंडासा, लाठी, बरछा, कुल्हाड़ी, चाकू अथवा अन्य घातक वस्तुएं ले जाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

बिना अनुमति हरे पेड़ काटने पर होगी कार्रवाई

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा गैर-वन क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई एवं स्थानांतरण को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उक्त आदेश को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यथावत रखते हुए अंतिम रूप प्रदान किया गया है। सचिन गुप्ता ने बताया कि आदेशों के अनुपालन में जिला के सभी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों, पंचायतों, सार्वजनिक उपक्रमों एवं भूमि स्वामित्व, प्रबंधन से जुड़े अन्य संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी प्रकार की पेड़ कटाई अथवा स्थानांतरण से पूर्व संबंधित प्रभागीय वन अधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

Vaish Arya Kanya Vidyalaya
Mal Godam Road, Near Anaj Mandi, Bahadurgarh-124507
Mobile No. 9817776291 | Email:- vakvbgh@yahoo.in
REQUIRES
- Director and Co-ordinator- Trained Post Graduate with minimum 5 year of teaching Experience and 5 years of Administrative level in CBSE affiliated School. Preference will given to Ex-Vice Principal/Principals.
- TGT:- English, Social Studies
- PGT:- English, Maths, Physics

(Masters degree with 1st division and B.Ed from any UGC Reg. University. Also minimum of 5 years of teaching experience in CBSE school)
Salary no bar for deserving candidates and negotiable.
Only Female Candidates must Apply.
Send your resume by hand or Email to the respective address along with your latest Photograph on or before 28/02/2026.
SHRINIWAS GUPTA (President) Bahadurgarh Shiksha Sabha, Bahadurgarh

आप किसी भी उम्र के हों, अगर आपके जोड़ों में दर्द, सूजन रहती है तो आपको जांच कराने में देर नहीं करनी चाहिए। ऐसा रूमेटॉइड आर्थराइटिस के कारण हो सकता है। सही समय पर टेस्ट और ट्रीटमेंट के जरिए इससे राहत मिल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

डिजीज
डॉ. अभिक बनर्जी
जोनल टेक्निकल चीफ
अपोलो डायग्नोस्टिक्स, कोलकाता

कई आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि बहुत से लोग रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसी गंभीर बीमारी के साथ चुपचाप जीवन जी रहे हैं। लगभग 50 प्रतिशत मरीज समय पर डॉक्टर के पास नहीं जाते। वे शुरुआती लक्षणों को अकसर तनाव, थकान या हल्का जोड़ों का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यह समस्या अब युवाओं में भी देखी जा रही है, जिससे आगे चलकर जोड़ों को गंभीर नुकसान और विकलांगता हो सकती है।

कैसे होती है समस्या: रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे जोड़ों में लगातार सूजन बनी रहती है और धीरे-धीरे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है।

इस बीमारी के होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे परिवार में बीमारी का इतिहास, हार्मोन में बदलाव, धूम्रपान, ज्यादा तनाव और कुछ संक्रमण। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि गठिया सिर्फ बढ़ती उम्र में होता है, लेकिन रूमेटॉइड आर्थराइटिस 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को भी हो सकता है।

रोग के लक्षण: इस रोग के कॉमन लक्षण हैं जोड़ों में दर्द, सूजन, सुबह के समय जोड़ों में जकड़न, जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना। अगर समय पर जांच और इलाज न किया जाए, तो यह बीमारी जोड़ों की बनावट बिगाड़ सकती है। इसके अलावा यह फेफड़ों, दिल और आंखों जैसे शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इससे चलने-फिरने में परेशानी होती है, रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है, काम करने की क्षमता घटती है और जीवन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। 20-30 साल के युवा और कामकाजी लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

न करें इग्नोर: इस रोग से ग्रसित करीब 50 प्रतिशत लोग जोड़ों की जकड़न, दर्द या सूजन जैसे शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और तब डॉक्टर के पास जाते हैं, जब बीमारी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगती है। हर 10 में से लगभग 5 मरीज ऐसे होते हैं, जो बहुत देर से जांच के लिए आते हैं, जब तक जोड़ों को नुकसान शुरू हो चुका होता है। यह देरी आगे चलकर स्थायी जोड़ों की खराबी और लंबे समय की विकलांगता का कारण बन सकती है।

बहुत से मरीज इसलिए चुपचाप दर्द सहते रहते हैं क्योंकि उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण समझ में ही नहीं आते या वे डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। खासकर युवा लोग यह मान लेते हैं कि जोड़ों का दर्द ज्यादा काम, तनाव या व्यायाम की कमी की वजह से है। लेकिन ऐसा सोचने से बीमारी बढ़ती जाती है और जोड़ों को ऐसा नुकसान हो जाता है, जिसे समय पर जांच और उपचार से रोका जा सकता था। रूमेटॉइड आर्थराइटिस को कंट्रोल करने के लिए जल्दी जांच कराना सबसे जरूरी है।

जांच के तरीके: आरए की जांच के लिए कुछ अहम जांचें की जाती हैं, जैसे रूमेटॉइड फैक्टर (आरएफ) और एंटी सीसीपी एंटीबॉडी टेस्ट, जो यह बताते हैं कि बीमारी ऑटोइम्यून है या नहीं। ईएसआर और सीआरपी जांच से शरीर में सूजन का स्तर पता चलता है। ब्लड की सामान्य जांच से शरीर की दूसरी समस्याओं का पता लगाया जाता है। इसके अलावा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन से जोड़ों में सूजन और शुरुआती नुकसान का पता चल जाता है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो बीमारी को धीमा करने वाली दवाएं शुरू की जा सकती हैं। इससे दर्द कम होता है, बीमारी आगे नहीं बढ़ती और जोड़ों की काम करने की क्षमता बनी रहती है। नियमित जांच और स्कैन से इलाज को समय-समय पर बदला जा सकता है और बीमारी के दोबारा बढ़ने से बचा जा सकता है।

ट्रीटमेंट: इसके इलाज में ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जो बीमारी को बढ़ने से रोकती हैं। इसके साथ फिजियोथेरेपी भी बहुत जरूरी होती है, जिससे जोड़ों की ताकत बनी रहती है। रोजाना हल्का व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव को कम करना और धूम्रपान छोड़ना भी इलाज का अहम हिस्सा है। नियमित रूप से डॉक्टर से फॉलोअप कराने से बीमारी पर नजर रखी जा सकती है और जरूरत पड़ने पर इलाज बदला जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत डेस्क

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. वैभव चतुर्वेदी
मनोचिकित्सक-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

देश-दुनिया में आए दिन सुसाइड यानी आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहते हैं। वैसे तो सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जाती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा वर्ग, खासकर स्टूडेंट्स में भी आत्महत्या के मामलों में इजाफा हुआ है, जो एक चिंताजनक और विचारणीय मुद्दा है। कुछ सुझावों पर अमल कर आत्मघाती प्रवृत्ति से बचाव किया जा सकता है।

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले सपोर्ट-ट्रीटमेंट से संभव है बचाव

वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार खुद की जान को खत्म कर देने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार इन तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर विचारणीय मुद्दा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं, जितनी लोग स्वयं गवां देते हैं। साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार, 'इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की तरफ बढ़ रहे लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।'

एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन

अवसाद (डिप्रेशन), आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करते हैं, ऐसा महर्षि यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन का आकलन है।

तनाव का हावी होना

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों के दुष्प्रभाव: कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है।

विफलता या भावनात्मक झटका: किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त न कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति का खराब होना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

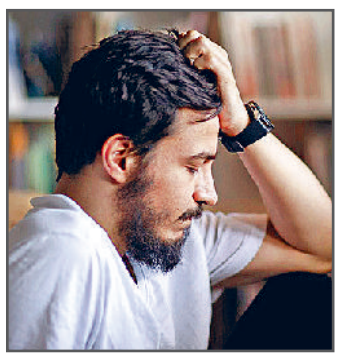

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- अकेलापन पसंद करना, यह सोचना कि दुनिया में मेरा कोई नहीं है।
- किसी भी प्रकार के मेल-मिलाप से कतराना।
- दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें करना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- किसी कारण के बगैर खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। जैसे लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- किसी की बात न सुनना-खुद में गुमशुम रहना।
- स्वभाव में अप्रत्याशित परिवर्तन जैसे जो व्यक्ति खुशमिजाज रहता हो, वह उदास रहने लगता है।
- ऐसे लोगों का मूड अकसर उदास रहता है।
- भूख कम लगना या समय पर खाना न खाना।
- नींद पूरी न ले पाना।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और वे अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

दूसरों की मदद लें

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में मनोचिकित्सक काउंसलिंग का सहारा लेते हैं। इससे मन की नकारात्मकता दूर होती है।

बचाव के उपाय

- योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।
- विश्व प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते (सोशल इंटरएक्शन) रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।
- पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।
- ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्ति में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास अपवाद स्वरूप ही करता है।
- कोई हॉबी विकसित करें। अगर आपकी संगीत में रुचि है तो इसके लिए कुछ समय निकालें।

इलाज के तरीके

अवसाद से प्रभावित ऐसे लोग, जो सुसाइडल सोच की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें इन उपचारों से ठीक कर सकते हैं।

साइकोथेरेपी: इसमें मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

इलेक्ट्रो कंवल्सिव थेरेपी (ईसीटी): इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार यह थेरेपी डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैबलेट्स: मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार रोगी को एंटीडिप्रेसेंट दवाई लेनी चाहिए। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बच्चों-किशोरों पर पैरेंट्स दें ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार अपने करियर को बनाने के चक्कर में पढ़ाई का दबाव और उस पर भी पैरेंट्स की अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें सजोना, किशोर और युवा वर्ग को तनावग्रस्त बनाता है। अगर उन्हें उनके मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती तो यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इसलिए पैरेंट्स को अपने बच्चों, खासकर किशोरों और युवाओं पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चों के स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास जरूर ले जाएं।

हेल्थ सजेशन
रजनी अरोड़ा

अगर आप अपनी डेली लाइफ में कुछ बैड हैबिट्स से दूर रहें तो एजिंग प्रोसेस धीमी होगी। यानी लंबे समय तक आप यंग- एनर्जेटिक बने रहेंगे। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस।

अपनाएं ये अच्छी आदतें लंबे समय तक रहेंगे यंग

आज के दौर में मिड एज के ज्यादातर लोग अकसर लो फील करते हैं। दरअसल, जाने-अनजाने वे ऐसी कई आदतें डाल लेते हैं, जो उन्हें ओवरवेटेड, थका हुआ और लो एनर्जी वाला बना देती हैं। जिनकी वजह से अनचाहे ही बुढ़ापे का असर उन पर समय से पहले नजर आने लगता है।

अनहेल्दी डाइट हैबिट: बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति के शरीर का डायजेस्टिव सिस्टम कमजोर और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। इसकी वजह से हेल्दी रहने के लिए खान-पान में बदलाव लाना जरूरी हो जाता है। यानी युवावस्था में जहां देर-सवेर या जरूरत से ज्यादा खाना और अनहेल्दी या ऑयली फूड भी शरीर पचा लेता है। वहीं 40-45 साल की एज के बाद अकसर इसे नजरअंदाज किया जाता है, जो कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

ऐसे में स्ट्रिक्ट डाइटिंग और खान-पान की आदतों में बदलाव लाना इसका सॉल्यूशन है। खाना बंद करने या भूखा रहने के बजाय संतुलित मात्रा में खाना जरूरी है। यानी अपनी डाइट में पोर्शन साइज थोड़ा-सा छोटा करें। हमेशा एक रोटी की भूख छोड़कर खाना खाएं। ओवर ईटिंग न करें। यथासंभव प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से परहेज करें। प्रोटीन, कैल्शियम रिच डाइट ज्यादा से ज्यादा लें। लिक्विड कैलोरीज (मीठी चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बियर या फ्रूट जूसेस) बिल्कुल बंद कर दें क्योंकि ये ब्लड में पहुंच कर शरीर में तेजी से अवशोषित हो जाते हैं और सेहत के लिए नुकसानदायक होते हैं।

भरपूर नींद न लेना: बढ़ती उम्र में देर रात तक जागना, पूरी नींद न सोने से अगला दिन बेकार ही नहीं हो जाता, सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। बॉडी की एनर्जी लो हो जाती है, चिड़चिड़ापन या मूड स्विंग होते हैं, चाहकर भी काम पर फोकस नहीं कर पाते। रात में 6-7 घंटे की नींद न लेने पर बॉडी में फैट एक्यूमुलेशन दोगुना तेजी से बढ़ने लगता है। व्यक्ति अनचाहे ही मोटापे और उससे उपजी बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नींद को लेकर सजग रहें। अच्छी नींद के लिए सोते समय बेडरूम में एकदम अंधेरा करके सोएं। इससे मेलाटोनिन का रिसाव जल्दी होता है और व्यक्ति ज्यादा अच्छे से सो पाता है। टाइम पर बेड पर जाएं। कमरे को थोड़ा ठंडा रखें और सोने से कम-से-कम एक घंटा पहले स्क्रीन (चाहे वो टीवी हो या मोबाइल) बिल्कुल बंद कर दें।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना: आज की युवा पीढ़ी फिटनेस-प्रेमी या जिम-फ्रीक है। ज्यादातर फिट रहने या बॉडी बिल्डिंग के लिए रेग्युलर जिम भी जाते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो, वेट बियरिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। जबकि बढ़ती उम्र के व्यक्ति वॉक करने या कार्डियो एक्सरसाइज तक ही सिमट जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे उपयुक्त नहीं मानते क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करने पर शरीर में धीरे-धीरे मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है जिसका व्यक्ति को जल्द पता नहीं चल पाता। मसल्स दरअसल, व्यक्ति को केवल अच्छा फिगर या अच्छा लुक ही प्रदान नहीं करते, शरीर के सुरक्षा-कवच का भी काम करते हैं। जॉइंट्स को सपोर्ट देते हैं, मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करते हैं और हार्मोन निर्माण में भी मदद करते हैं। रिसर्च से साबित हो गया है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर व्यक्ति स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं करते तो हर साल उनका लगभग 1 प्रतिशत मसल्स लॉस होता है।

इससे बचने के लिए जरूरी है मिड एज के बाद भी रेग्युलर जिम जाएं और इंस्ट्रक्टर की निगरानी में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। जिम न जा पाने की स्थिति में हफ्ते में तीन-चार दिन बेसिक बॉडी वेट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें जैसे-स्क्वेट्स, पुश-अप्स, पुल अप्स, रेजिस्टेंस बैंड्स। घर में मौजूद डंबल्स या वॉटर बोतल की मदद से भी आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हार्मोनल असंतुलन को इग्नोर करना: मिड एज के बाद अकसर कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जिन्हें वे बढ़ती उम्र का असर मान लेते हैं। जैसे- वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, काम में मन न लगना, अनियमित माहवारी, प्री-मेनोपॉज होना, सेक्स ड्राइव कम होना। मेडिकल साइंस इनके पीछे की वजह शरीर में मौजूद हार्मोनल असंतुलन को मानता है। हार्मोन असंतुलन होने पर शरीर का पूरा सिस्टम स्लो होने लगता है और कम उम्र में ही व्यक्ति पर असर दिखाई देने लगता है। जरूरी है उम्र से पहले आने वाले बदलावों पर गौर करें और हार्मोन असंतुलन को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर हार्मोन लेवल चेक करवाएं। मेडिकल ट्रीटमेंट के अलावा लाइफस्टाइल में बदलाव करने पर हार्मोन-असंतुलन को काफी हद तक इंप्रूव किया जा सकता है।

विल पॉवर न रखना: मिड एज में व्यक्ति की जिंदगी में अकसर ठहराव-सा आ जाता है। व्यक्ति डिसिप्लिन और सिस्टेमेटिक लाइफस्टाइल से दूर होता जाता है। उन्हें किसी के मोटिवेशन का इंतजार ज्यादा रहता है। जिंदगी में स्वस्थ और सफल होने के लिए मोटिवेशन के बजाय डिसिप्लिन और सिस्टम्स बनाना जरूरी है। ऐसे सिस्टम्स बनाने की जरूरत है, जो व्यक्ति को स्वतः ही सही दिशा की तरफ जाने में मदद करें। जरूरी है कि रुटीन, सिस्टम और स्ट्रक्चर तय करें और उसके हिसाब से नियम बनाएं। *

अवेयरनेस
रेखा देशराज

यह सही है कि जड़ी-बूटियों का रिएक्शन तुलनात्मक रूप से कम होता है। लेकिन ये नुकसान करते ही नहीं, यह सोच गलत है। ऐसे में किसी भी जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सावधानी के साथ ही करें जड़ी-बूटियों का सेवन

हाल के सालों में प्राकृतिक दवाओं यानी जड़ी-बूटियों को लेकर आम लोगों में विश्वास बहुत ज्यादा बढ़ा है। लेकिन इस बढ़ते भरोसे के बीच सावधानी बरतना भी जरूरी है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जड़ी-बूटियों और विभिन्न तरह के हर्बल उत्पादों का जो अंधाधुंध उपयोग शुरू हुआ है, उससे फायदे की जगह कई तरह के नुकसान भी सामने उभरकर आए हैं। दरअसल आम लोग जड़ी-बूटियों को हर हालत में सुरक्षित समझते हैं। इसलिए वो कई बार इनके जानकारों से भी यह राय लेना जरूरी नहीं समझते कि कौन-सी जड़ी-बूटी खानी चाहिए, कब खानी चाहिए और कैसे खानी चाहिए? ऐसे में ऐसी जड़ी-बूटियां जो आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, कई बार उनसे भी नुकसान होते हुए देखने को मिलता है।

बिना सलाह के न करें सेवन: पहली बात तो यह गांठ बांध लें कि चाहे कोई भी चीज क्यों न हो, बिना उसके जानकार की राय लिए कभी नहीं खानी चाहिए। आजकल व्हाट्सएप, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया में सभी विशेषज्ञ बनकर जो जानकारी देते रहते हैं, उससे भी इस तरह के नुकसान की आशंका बहुत बढ़ जाती है। यह समझना भी जरूरी है कि जिन जड़ी-बूटियों को हम केवल फायदे देने वाली समझते हैं, आखिर उनसे नुकसान कैसे हो जाता है? दरअसल, जड़ी-बूटियां पौधों से प्राप्त होती हैं, इसलिए इन्हें रासायनिक दवाओं की तुलना में ज्यादा कोमल माना जाता है। मगर हर कोमल चीज के डोज की भी एक लिमिट होती है। कई बार लोग जड़ी-बूटियों को नुकसान न पहुंचाने वाली समझकर इसके ओवर डोज का शिकार हो जाते हैं यानी इनकी सुरक्षित सीमा से ज्यादा का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे उल्टी, दस्त, सिरदर्द और चक्कर तो आते ही हैं, कई बार लीवर या किडनी भी फेल हो सकती है। इसलिए कभी-भी कोई जड़ी-बूटी तय डोज से ज्यादा न लें।

कई तरह की हो सकती हैं परेशानियां: सवाल है जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हुए किस-किस तरह की सावधानियां बरती जानी चाहिए, जिससे हम इनके नुकसान के जोखिम से बचे रहें? हो सकता है कि किसी विशेष जड़ी-बूटी से किसी व्यक्ति पर कोई प्रभाव न पड़ता हो और किसी को उससे एलर्जी हो जाए। ऐसे में जिसको एलर्जी होती है, उसके लिए यह जड़ी-बूटी त्वचा पर कई तरह के रैशेज डाल सकती है। उसे सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है या शरीर में सूजन हो सकती है। इसलिए जड़ी-बूटी का इस्तेमाल करते समय किसी जानकार की राय लेना जरूरी है, भले वह जड़ी-बूटी आपके परिवार में पहले किसी और के द्वारा इस्तेमाल की जाती रही हो और उसे इस तरह की कोई परेशानी न हुई हो। कई जड़ी-बूटियां पाचन सुधारने, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने और शरीर की सूजन कम करने में बहुत असरकारक मानी जाती हैं। लेकिन कई बार यही जड़ी-बूटियां किसी ऐसे व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, जो पहले अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल कर रहा हो, क्योंकि ये जड़ी-बूटियां अंग्रेजी दवाओं के असर को बढ़ा या घटा भी सकती हैं।

तय समय तक करें सेवन: जड़ी-बूटी को लेकर आमतौर पर उनके दीर्घकालिक उपयोग की धारणा बनी हुई है। लगभग हर आदमी यह समझता है कि जड़ी-बूटियों को लंबे समय तक उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। पर यह बात सही नहीं है। विशेषकर गर्भावस्था और स्तनपान करा रही महिलाएं अगर इस तरह के भ्रम का शिकार हों और वे लंबे समय से ली जा रही जड़ी-बूटियों को इन विशेष स्थितियों में भी लगातार लेती रहें, तो इनसे परेशानी पैदा हो सकती है। *

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के खेल परिसर में इंटर-कॉलेज चैंपियनशिप

कराटे में जाट कॉलेज रोहतक के सत्यप्रकाश ने डीएवी फरीदाबाद के प्रवीण को हराया

- खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने किया तीन दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन
- प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 200 खिलाड़ियों ने किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के खेल परिसर में मंगलवार से इंटर-कॉलेज कराटे (महिला एवं पुरुष वर्ग) प्रतियोगिता का बुधवार को दूसरा दिन रहा। 55 किग्रा भार वर्ग में जाट कॉलेज के सत्यप्रकाश ने प्रथम स्थान हासिल किया। डी.ए.वी. फरीदाबाद के प्रवीण दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नेकीराम कॉलेज के पंकज ने तीसरा और एमडीयू के रवि ने चौथा स्थान प्राप्त किया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कोच डॉ. अशोक ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 200 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पुरुष वर्ग के परिणाम: 84 किग्रा भार वर्ग में यूटीडी के विशाल विजेता रहे। राजकीय कॉलेज जसिया के विशाल दूसरे स्थान पर, नेहरू कॉलेज फरीदाबाद के साहिल नागर तीसरे स्थान पर और नेकीराम कॉलेज के सुमित चौथे स्थान पर रहे।

महिला वर्ग के परिणाम: 50 किग्रा भार वर्ग में राजकीय कॉलेज बहादुरगढ़ का दबदबा रहा, जहाँ कुमुद पहले और मायर दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं यू.टी.डी. की मधु ने तीसरा और जी.वी.एम. सोनीपत की शिवानी ने चौथा स्थान हासिल किया। 55 किग्रा भार वर्ग में डी.ए.वी. फरीदाबाद की साक्षी ने बाजी मारते हुए पहला स्थान पाया। जी.वी.एम. सोनीपत की संजना दूसरे, राजकीय महिला कॉलेज रोहतक की अंजलि तीसरे और हिंदू गर्ल्स कॉलेज की प्रियंका चौथे स्थान पर रहीं। 68 किग्रा भार वर्ग में जाट कॉलेज की राज रानी प्रथम स्थान पर रहीं। जी.वी.एम. सोनीपत की सिमरन ने दूसरा, डी.ए.वी. एन.आई.टी. फरीदाबाद की तेजस्वनी ने तीसरा और हिंदू गर्ल्स कॉलेज की सुजल ने चौथा स्थान प्राप्त किया।

रोहतक। कराटे प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

रोहक। विजेता टीम को सम्मानित करते खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल।

महिला सर्कल कबड्डी में किशोरी की टीम प्रथम

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के खेल परिसर में महिला अंतर महाविद्यालय सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबलों के बाद किशोरी रोहतक की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। टीआरजीसी, सोनीपत की टीम द्वितीय स्थान पर रही। वहीं वीएमएम, रोहतक तथा जीसीडब्ल्यू, बहादुरगढ़ की टीमों ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। समापन अवसर पर खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व कौशल का भी विकास करते हैं। कबड्डी कोच विकास कुमार ने प्रतियोगिता का संचालन किया। इस अवसर पर मुकेश गोयल समेत अन्य खेल प्रशिक्षक और प्रतिभागी खिलाड़ी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

एचआईवी के प्रति किया जागरूक

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते प्राचार्य डॉ.फूल सिंह यादव ।

रोहतक। वैश्य महाविद्यालय में आरआरसी सेल द्वारा जिला स्तरीय एचआईवी/एडस वर्कशॉप एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य जागरूकता एवं एचआईवी/एडस के प्रति समाज में सही जानकारी फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं से नोडल ऑफिसर तथा छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण सत्र में सहभागियों को बीमारी से जुड़ी प्रासंगिक सूचना, रोकथाम, देखभाल एवं समर्थन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता के रूप मनोज सांगवान ने अपने अनुभवों तथा एचआईवी/एडस नियंत्रण और जागरूकता कार्यक्रमों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। विशेष अतिथि के रूप में प्रीति सांगवान टीआई प्रबंधक रेड क्रॉस रोहतक और कुसुम, काउंसलर, सिविल हॉस्पिटल रोहतक भी उपस्थित रहीं, जिन्होंने कार्यक्रम को अपना मार्गदर्शन एवं समर्थन प्रदान किया।

एचडी स्कूल ने जेईई मेन में रचा स्वर्णिम इतिहास

रोहतक। उत्कृष्टता की परंपरा कायम सफलता बनी संस्कार

रोहतक। जेईई मेन 2026 में एचडी पब्लिक स्कूल बहुअकबरपुर के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष 23 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा और परिश्रम का उत्कृष्ट परिचय दिया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का वातावरण बन गया। यह शानदार उपलब्धि विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और विद्यालय की सुदृढ़ शैक्षणिक व्यवस्था का प्रत्यक्ष प्रमाण है। अभिभावकों ने भी सफलता का श्रेय विद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुनियोजित एवं उच्च स्तरीय तैयारी को दिया। विद्यालय में आईआईटी (जेईई मेन व एडवांस्ड), नीट, सीयूईटी, एनडीए, सीएलएटी, सीए तथा विभिन्न ओलंपियाड परीक्षाओं की व्यवस्थित तैयारी करवाई जाती है, जिससे विद्यार्थियों को बाहरी कोचिंग की आवश्यकता नहीं पड़ती। विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र सिंह फौगाट ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गवर्नमेंट कॉलेज महम में एनएसएस शिविर शुरू

महम। बुधवार को राजकीय महाविद्यालय महम में कॉलेज की दोनों एनएसएस यूनिट का सात दिवसीय कैंप का शुभारंभ किया गया। कैंप का शुभारंभ प्राचार्य डॉ सत्यव्रत ने मां सरस्वती की तस्वीर के सामने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस दौरान सरस्वती वंदना की गई और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को पूरे सम्मान के साथ गाया गया। प्रिंसिपल डॉ. सत्यव्रत ने एनएसएस स्वयंसेवकों को एनएसएस के महत्व बताया और समाजसेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि जीवन में कामयाब होने के ले लिए सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेगा चाहिए। इसके बाद उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा बनाई गई एनएसएस रंगोलियां देखी और स्वयंसेवकों के प्रयास की सराहना की। स्वयंसेवकों को एनएसएस टी-शर्ट, डायरी और कैप वितरित की गई। इस अवसर पर एनएसएस यूनिट इंचार्ज मनीषा हुड्डा, फुल कवार के साथ डॉ. दीपक, डॉ शिल्पी, दीपक कुमार, अजय, ज्योति शर्मा और सुरेश कुमार समेत कॉलेज के कई प्राध्यापक व स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

द आर्यन ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों का जेईई मेंस में शानदार प्रदर्शन

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल स्कूल, रोहतक के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने इस सत्र में आयोजित जेईई मेंस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रभावशाली पर्सेंटाइल प्राप्त किए हैं। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने विद्यालय का नाम रोशन किया है और पूरे विद्यालय परिवार में उत्साह का वातावरण है। विद्यालय के मेधावी छात्र जय पूथी ने 96 पर्सेंटाइल प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं जयंत बोंदवाल और रिद्धि ने 95 पर्सेंटाइल तथा यशिका ने 91 पर्सेंटाइल हासिल कर अपनी प्रतिभा और परिश्रम का परिचय दिया। यह सफलता विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासित अध्ययन, दृढ़ संकल्प और शिक्षकों के प्रभावी मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्य और समस्त शिक्षकगण ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि समर्पण और सही दिशा में प्रयास से सफलता निश्चित है। विद्यालय परिवार को विश्वास है कि ये विद्यार्थी भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को छूते हुए संस्थान और देश का नाम रोशन करेंगे।

- यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि समर्पण और सही दिशा में प्रयास करने से निश्चित मिलती है सफलता

मॉडल स्कूल, सेक्टर-4 के विद्यार्थियों ने जेईई मेन में लहराया जीत का परचम

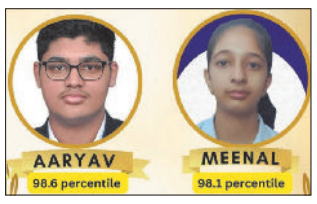

रोहतक। एनटीए द्वारा हाल ही में जारी जेईई मेन के रिजल्ट में आर्यव ने 98.6 परसेंटाइल और मीनल ने 98.1 परसेंटाइल हासिल कर विद्यालय और अभिभावकों का नाम रोशन किया। उपायुक्त एवं अध्यक्ष मॉडल एजुकेशन सोसाइटी सचिन गुप्ता, वाइस प्रेसिडेंट राम अवतार गुप्ता और सचिव राजेश कुमार सहगल ने स्कूल को गौरवान्वित करने वाले विद्यार्थियों के लिए शुभकामना संदेश भेजा। प्राचार्या ऋतु मदान ने आर्यव और मीनल की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह रिजल्ट छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो उनके भविष्य की दिशा तय करेगा। उपप्राचार्या गीतिका गुलाटी ने कहा कि आर्यव और मीनल की उपलब्धि पर हमें गर्व है एवं उनकी मेहनत और समर्पण ने ही उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

जॉन वेस्ले स्कूल के छात्र जेईई मेन में छाए

रोहतक। जॉन वेस्ले कॉन्वेंट के प्रतिभाशाली छात्रों श्याम और राघव ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मुख्य) 2026 में क्रमशः 96.24% और 95.06% अंक प्राप्त कर विद्यालय, परिवार और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। दोनों विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय कठिन परिश्रम, अनुशासित दिनचर्या और दृढ़ संकल्प को दिया। नियमित अध्ययन, प्रभावी समय प्रबंधन और शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन ने उनकी तैयारी को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने बताया कि निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच ने उन्हें लक्ष्य तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के डायरेक्टर सुरेंद्र मलिक तथा प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि श्याम और राघव की उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि उनकी लगन और समर्पण अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा हैं। विद्यालय परिवार ने दोनों छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि वे आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

वाहन चालकों को हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग करने बारे किया जागरूक

रोहतक। प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल ने अपने कार्यालय में आने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों विशेषकर हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग करने बारे जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यातायात नियम नागरिकों की सुरक्षा के दृष्टिगत बनाये गए है। नागरिक अपनी एवं दूसरों के जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत इन नियमों का स्वेच्छा से पालन करें। वीरेंद्र सिंह ढुल ने उनके कार्यालय में सरकारी कार्य से पहुंचे मोटर साइकिल सवारों को हेलमेट लगाने के लिए जागरूक किया। गत दिनों उपायुक्त सचिन गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की मासिक समीक्षा बैठक में निर्देश दिये गए थे कि हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग न करने वाले वाहनों का सरकारी कार्यालयों व पार्किंग में प्रवेश निषेध किया जाये। इन्ही आदेशों की अनुपालना में प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल ने अपने कार्यालय में आने वाले वाहन चालकों को हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया।

मॉडल स्कूल आंबेडकर चौक के विद्यार्थी जेईई मेंस में छाए

गोपाल

रोहतक। हाल ही में घोषित जेईई मेंस 2025-26 के परिणाम में मॉडल स्कूल आंबेडकर चौक के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर सफलता का परचम लहराया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई। कक्षा 12वीं के छात्र गोपाल ने 99.1 पर्सेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसके अलावा देवज्ञ ने 98.7, प्रियांश मल्होत्रा ने 97.7, पुष्कल ने 97.1, जय बत्रा ने 95.9, शबद ने 95.6, ईशु ने 94.6, रक्षित ने 94.3, दानिश ने 93.7, ध्रुवज ने 91.9, अदिति दुआ ने 91.0, इकजोत ने 85.13, निर्भय तोमर ने 82.7 तथा विपुल ने 81.37 पर्सेंटाइल प्राप्त कर अगले चरण के लिए कदम बढ़ाए। मॉडल एजुकेशन सोसाइटी के उपाध्यक्ष राम अवतार गुप्ता और सचिव राजेश कुमार सहगल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्या डॉ. अरुणा तनेजा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अगले चरण की तैयारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ब्लॉक इंचार्ज डॉ. सुनील भारद्वाज तथा गणित एवं विज्ञान विभाग की सराहना की।

साधारण व्यक्ति ही रचते हैं इतिहास : डॉ आर्य

रोहतक। स्टाफ व छात्रों के साथ कुलगुरु डॉ अमित आर्य व रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा।

शब्दोत्सव, भारंगम व सारंग को सफल बनाने वालों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हरिभूमि न्यूज

रोहतक। दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसी सुपवा) के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने कहा कि साधारण लोग शक्ति के साथ समभाव से कार्य करते हैं तो इतिहास लिख देते हैं। जनवरी-फरवरी माह में हुए तीन बड़े आयोजनों की सफलता के पीछे यही मंत्र नजर आता है। इसके लिए सुपवा परिवार बधाई का पात्र है।

बुधवार को मिनी ऑडिटोरियम में 'शब्दोत्सव', 'भारंगम' व 'सारंग' महोत्सव को सफल बनाने में योगदान देने वाले डीएलसीसुपवा की फैकेल्टी, टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ, छात्र-छात्राओं समेत पूरे सुपवा परिवार को संबोधित कर रहे थे। शब्दोत्सव का आयोजन 2 से 4 जनवरी तक दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में दिल्ली सरकार ने किया था, जिसमें सुपवा से 90 सदस्यीय टीम ने शिरकत की थी। आयोजकों की ओर से भेजे गए सर्टिफिकेट व स्मृति चिह्न कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने स्टाफ व छात्रों को सौंपे। इस दौरान रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा भी मौजूद रहीं। इसके साथ ही 9 से 12 फरवरी तक सुपवा में एनएसडी के सहयोग से आयोजित 25वें भारत रंग महोत्सव (भारंगम) व यूनिवर्सिटी के अपने महोत्सव 'सारंग' को सफल बनाने वाले सुपवा परिवार के सदस्यों का भी उत्साहवर्धन किया। इन्हें एनएसडी की ओर से आए स्मृति चिन्ह व 'सारंग' की किट सौंपी।

आधुनिक तकनीक के प्रयोग से करें शहरी विकास

रोहतक। दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में योजना और वास्तुकला विभाग (आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग डिपार्टमेंट) की तरफ से भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) पर 5 दिवसीय कार्यशाला लगाई जा रही है। इसमें आर्किटेक्चर की पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्रों को सिखाया जा रहा है कि शहरी विकास की योजना तैयार करने में आधुनिक तकनीक का प्रयोग किस तरह से किया जाए। 17 फरवरी को शुरू हुई कार्यशाला का समापन 21 फरवरी को होगा। डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक शहरी विकास के लिए आवश्यक अत्याधुनिक तकनीकी कौशल से लैस करना है, ताकि भविष्य के वास्तुकारों और योजनाकारों को और अधिक पारंगत बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला सैद्धांतिक शहरी योजना और व्यावहारिक, डेटा-आधारित रणनीतियों के बीच अंतर को पाटने के लिए डिजाइन की गई है। छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे उच्च स्तर के स्थानिक विश्लेषण में महारत हासिल करके क्षेत्रीय विकास, पर्यावरणीय मानचित्रण और शहर की अवसंरचना के प्रति अपना दृष्टिकोण बदल लें।

एमडीएन स्कूल का जेईई मेंस में उत्कृष्ट प्रदर्शन

दीपांशु केशव दर्शिता

रोहतक। एमडीएन पब्लिक स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने जेईई मेंस 2026 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय के मेधावी छात्र दीपांशु चहल ने 99.73 पर्सेंटाइल प्राप्त कर शानदार उपलब्धि हासिल की। वहीं केशव ने 97.48 पर्सेंटाइल और दर्शिता ने 91.22 पर्सेंटाइल अर्जित कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया। इस उल्लेखनीय सफलता से विद्यालय परिसर में हर्ष और गर्व का वातावरण है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासित अध्ययन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। साथ ही शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और विद्यालय में संचालित 'मोमेंटम क्लासेस' के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए दी गई विशेष तैयारी ने विद्यार्थियों को मजबूत आधार प्रदान किया।

अर्चना कोचर को अंतरराष्ट्रीय प्रज्ञा सम्मान

रोहतक। प्राज्ञ हिन्दी सेवार्थ संस्थान ट्रस्ट द्वारा फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) में आयोजित दो दिवसीय सप्तम अंतरराष्ट्रीय प्रज्ञा सम्मान 2025 समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार अर्चना कोचर को सम्मानित किया गया। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान उनके चर्चित उपन्यास किन्नर कथा - एक अंतहीन सफर के लिए हिंदी गद्य विधा में श्रेष्ठ कृति के रूप में प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्हें "श्री दिलीप जिंदल स्मृति पुन्नी सिंह कथाश्री अलंकरण" से भी अलंकृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विभागाध्यक्ष पद्मश्री डॉ. कमलाकर त्रिपाठी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उप निदेशक (राजभाषा) रघुवीर शर्मा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में गेल इंडिया के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी आलोकेश्वर चबडाल तथा फिरोजाबाद के नगर विधायक मनीष असीजा शामिल रहे।

13 मार्च को हांसी रैली में उमड़ेगा जनसैलाब

रोहतक। आगामी 13 मार्च को जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला के जन्म दिन पर हांसी में आयोजित जन चेतना रैली को लेकर जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने महम हल्के में लाखनमाजरा, खरेंटी, बैंसी, महम खेड़ी, बेडवा, सामण में पहुंचकर जनसभा को संबोधित किया और कार्यकर्ताओं कि बैठक ली। दिग्विजय चौटाला ने आगामी 13 मार्च को हांसी में आयोजित होने वाले पार्टी कि रैली के आयोजन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिए। रोहतक जिला प्रभारी हरज्ञान मौखरा एवं जिलाध्यक्ष रोहतक डॉ संदीप हुड्डा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला का रोहतक जिले में पहुंचने पर स्वागत किया। दिग्विजय चौटाला ने कहा प्रदेश की मौजूदा सरकार ने लोकतंत्र को कुचल दिया है। किसानों, मजदूरों और युवाओं की आवाज को दबाने का कुकृत्य कर दिया है। 13 मार्च को हांसी की रैली में भारी संख्या में पहुंचकर युवा, बुजुर्ग, माताएं और बहनें 2029 में सत्ता परिवर्तन का ऐतिहासिक संदेश देने वाले हैं।

ऑल इंडिया पीएनबी पेंशनर्स एवं रिटायरीज एसो. ने की बैठक

रोहतक/सोनीपत। ऑल इंडिया पीएनबी पेंशनर्स एवं रिटायरीज एसोसिएशन हरियाणा राज्य इकाई ने रविवार को सोनीपत में राज्य स्तरीय कार्यकारिणी बैठक की, जिसमें बैंक स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर लंबित मुद्दों एवं मांगों पर चर्चा की गई। अध्यक्ष आरसी यादव ने बैठक की अध्यक्षता की तथा संचालन राज्य इकाई के चेयरमैन सोनीपत के एमसी पॉल ने किया। सह-अध्यक्षता हरियाणा राज्य के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय संगठन सचिव आरके वोहरा ने की। बैठक का संचालन हरियाणा राज्य के सहायक महासचिव एवं केंद्रीय पदाधिकारी, साथ ही पानीपत सर्कल सचिव ओपी अरोड़ा ने किया। बैठक में राज्य इकाई के अध्यक्ष आरसी यादव, कोषाध्यक्ष केएल विज, उप-कोषाध्यक्ष जीत सिंह , वरिष्ठ सलाहकार ललित अरोड़ा, केंद्रीय इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष एवं गुरुग्राम सर्कल सचिव कैलाश प्रधान, केंद्रीय संगठन सचिव एवं गुरुग्राम सर्कल अध्यक्ष आरके सैनी आदि थे।

केनरा बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय ने लगाया लंगर

रोहतक। केनरा बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 18 फरवरी को कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व सीएसआर के अंतर्गत लंगर सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम का नेतृत्व क्षेत्रीय प्रमुख अतुल बंसल ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को भोजन उपलब्ध कराना तथा समाज के प्रति बैंक की जिम्मेदारी को निभाना था। लंगर सेवा के दौरान लगभग 300 से 400 जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया गया। बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वेच्छा से इस सेवा कार्य में भाग लिया और पूरी निष्ठा के साथ भोजन वितरण की व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम के दौरान सेवा भाव और सहयोग की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इस अवसर पर अतुल बंसल ने कहा कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाना बैंक की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि बैंक केवल वित्तीय सेवाएं ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
REQUIRES
- BAMS 2
- RMO 2
- PRO 2
- NURSING STAFF 4
- ACCOUNTANT 1
- COMPUTER OPERATOR 2
- RECEPTION 2
- WARD BOY 4
- SWEEPER 2

जय श्री बाला जी महाराज
SHRI BALA JI INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCE
DR. S.K. SAINI Director
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF SUGUNA SCHOOL OF NURSING BANGLORE
BHUVAN SCHOOL OF NURSING, DR. K.T.V. BANGLORE
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान। सीमित सीटें। पहले आयें- पहले पायें छात्रावास सुविधा उपलब्ध
DIPLOMA IN G.N.M. (MIF)
योग्यता :- 12th किसी भी विषय में) अवधि :- 3½ वर्ष
कुल सीटें :- 60 दाखिला फीस - 25000/year
परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
DIPLOMA IN PHARMACY
योग्यता:- 12th साईस अवधि:- 2 वर्ष सीटें :- 60
दाखिला फीस: 25000/- year परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफलाईन दोनों मोड़ में।
5000 Rs मासिक फीस देकर निश्चित सफलता के साथ कोर्स पूरा करें। आज ही अपने प्रमाष-पत्रों के साथ आकर मिले।
DR. S.K. SAINI (Director)
9254233221
रोहतक:- 41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे
बहादुरगढ़ :- पिल्लर नं. 851 के सामने, पुराना बराही रोड पर।
सोनीपत :- HDFC बैंक के सामने, छोटू राम चौक।

खबर संक्षेप

रोहतक। कार्यशाला में मौजूद मुख्य वक्ता इन्द्र लाल ,प्राचार्या डॉ तरुणा मल्होत्रा व अन्य विद्यार्थी।

कला एवम शिल्प विषय पर कार्यशाला आयोजित

रोहतक। वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन केसभागार में आदरणीय मैनेजमेंट के मार्गदर्शन में प्राचार्या डॉ तरुणा मल्होत्रा की अध्यक्षता में सांस्कृतिक कमेटी की संयोजिका डॉ ज्योति आहुजा व टीम सदस्य डॉ कमलेश, डॉ पूजा पसरीजा, डॉ सुदेश, डॉ राखी की देखरेख मे कला एवम शिल्प विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता इन्द्र लाल रहे, जिन्होंने पुरानी चीजों से उन का पुनः उपयोग करना सिखाया। प्राचार्या डॉ तरुणा मल्होत्रा ने विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में निपुण होने को प्रोत्साहित किया।

नपा चुनाव में जिताऊ उम्मीदवार की तलाश

सांपला। नगरपालिका चुनाव को लेकर बीजेपी गंभीर है। पार्टी जिताऊ उम्मीदवार की तलाश में हैं। नगरपालिका का चुनाव अप्रैल में होने की संभावना है। इस चुनाव में कांग्रेस की तरफ से कोई हलचल नजर नहीं आ रही है। जबकि बीजेपी ने मंत्री डॉ अरविंद शर्मा और नगर निगम चेयरमैन राम अवतार वाल्मीकि की जिम्मेदारी लगाई है। पार्टी अपना चेयरमैन बनाने के पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी। बताया जा रहा है कि पार्टी की तरफ से सर्वे कराया गया है। अब जिताऊ उम्मीदवार तलाश में लगी है। प्रत्याशियों द्वारा प्रचार तेज कर दिया है। चेयरमैन पद के अलावा पार्षद उम्मीदवारों की संख्या बढ़ती जा रही है।

एलसीएलओ कर्मियों ने विधायकों को सौंपा ज्ञापन

रोहतक। एलसीएलओ कर्मचारियों का सरकार के प्रति रोष लगातार बढ़ता जा रहा है। एलसीएलओ कर्मचारी कांग्रेस विधायक भारत भूषण बत्रा और शकुंतला खटक से मिले और बजट सत्र के दौरान उनकी मांगों को विधानसभा में उठाने की अपील की। दोनों विधायकों ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को सदन में उठाकर सरकार से जवाब मांगेंगे। एलसीएलओ-सीपीएलओ कर्मचारी यूनियन हरियाणा के बैनर तले कर्मचारी 19 सितंबर से कुरुक्षेत्र में धरना दे रहे हैं तथा 29 सितंबर से क्रमिक अनशन पर बैठे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि भर्ती सीपीएलओ पद के लिए हुई थी, लेकिन नियुक्ति के समय पदनाम बदलकर एलसीएलओ कर दिया गया। कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें ग्राम सचिवालयों में फैमिली आईडी, आय, राशन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र व पेंशन सत्यापन जैसे कार्य करने थे।

पॉश अधिनियम की जागरूकता जरूरी: डॉ अग्रवाल

रोहतक। पीजीआईएमएस में डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सविता सिंघल और इंटरनल कंप्लेंट कमेटी के सहयोग से बुधवार को लेक्चर थिएटर 5 में पॉश अधिनियम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर एच के अग्रवाल उपस्थित हुए। कुलपति अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से महिला सशक्तिकरण के लिए यह कार्यक्रम अनिवार्य है। आजकल सभी के हाथ में मोबाइल है, इसलिए साइबर सुरक्षा के बारे में पता होना चाहिए। संस्थान में महिला सशक्तिकरण के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और विद्यार्थियों और कर्मियों को इसके बारे में जागरूक किया जा रहा है। अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं को अधिकारों के बारे में पता होना चाहिए। रजिस्ट्रार डॉ. रूप सिंह ने कहा कि दोनों लिंग समान हैं और हमारे संविधान में सभी को समान अधिकार दिए गए हैं। निदेशक डॉ. सुरेश सिंघल ने कहा कि हमें अपने अधिकारों के बारे में पता होना चाहिए।

रोहतक। सभी को लैंगिक संवेदनशीलता हेतु संकल्प की शपथ दिलाते कुलपति डॉक्टर एच के अग्रवाल। फोटो: हरिभूमि

- डीन छात्र कल्याण डॉ. सविता सिंघल ने अपने व्याख्यान में पॉश अधिनियम के बारे में बताया और कहा कि यह अधिनियम हर कार्यस्थल पर लागू होता है। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से कैसे बचा जा सकता है ।
- डॉ. प्रीति सिंह ने संस्थान की इंटरनल कंप्लेंट कमेटी के बारे में बताया और कहा कि यह कमेटी विद्यार्थियों और कर्मियों की समस्याओं का समाधान करने क बनाई गई है।
- डॉ. विनोद ने सभी को लैंगिक संवेदनशीलता हेतु संकल्प की शपथ दिलाई। डॉ. मधु शर्मा ने धन्यवाद व्यक्त किया।
- एसआई मुकेश, एसएचओ कुलदीप ने कहा कि हमें किस प्रकार साइबर क्राइम से बचना चाहिए।
- मौके पर कुलसचिव डॉ. रूप सिंह, निदेशक डॉ. एसके सिंघल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल, प्राचार्य डॉ. संजय तिवारी, एसआई मुकेश, एसएचओ कुलदीप, डॉ. अपर्णा परमार, डॉ. मधु, प्रोफेसर सुनीता, डॉ मीनाक्षी, डॉ. विनोद, डॉ. शिखा तिवारी, डॉ रेखा, देवेंद्र आदि उपस्थित रहे।

जनभागीदारी से वार्ड 2-4 में चला विशेष सफाई अभियान

रोहतक। नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से निरंतर सफाई एवं जन-जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी के चलते संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी आज पूरे शहर का दौरा करेंगी। इसी कड़ी में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों के तहत वार्ड नंबर 2 व 4 में जनभागीदारी के साथ विशेष सफाई अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान का नेतृत्व नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। नगर निगम आयुक्त ने बताया कि स्वच्छता को और प्रभावी बनाने के लिए वार्ड-स्तरीय "स्वच्छ वार्ड रैंकिंग" की शुरुआत की जा रही है। इस रैंकिंग का मूल्यांकन डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण, गीले व सूखे कचरे का पृथक्करण, सड़क स्वीपिंग, नालियों व नालों की सफाई, सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालयों की स्वच्छता, पार्कों की साफ-सफाई, स्वच्छता ऐप पर दर्ज शिकायतों के निवारण और सामुदायिक भागीदारी जैसे मानकों के आधार पर किया जाएगा। प्रत्येक मानक के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही वार्डों की रैंकिंग तय होगा। बुधवार को वार्ड सदस्य आशा लता व रिंकू की अध्यक्षता में पूर्ण संसाधनों के साथ विशेष सफाई अभियान चलाया गया। पं. श्रीराम शर्मा पार्क एवं आसपास के बाजार क्षेत्र में नागरिकों से स्वच्छता फीडबैक लिया गया और स्वच्छता ऐप डाउनलोड करवाने की मुहिम चलाई गई। दुकानदारों व रेहड़ी-पटरी संचालकों को सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगे प्रतिबंध के प्रति जागरूक किया गया।

- संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी आज पूरे शहर का दौरा करेंगी
- सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगे प्रतिबंध के प्रति किया जागरूक

कन्हैली डेयरी कॉम्प्लेक्स में सुविधाओं का टोटा

बदहाली की दलदल में फंसी गलियां

डेयरी संचालक और ग्राहक दोनों परेशान, बारिश में हालात और बदतर, गोबर से अटे नाले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

कन्हैली डेयरी कॉम्प्लेक्स रोड और उससे जुड़ी गलियों की हालत बेहद खराब हो चुकी है। यहां करीब 50 डेयरियां संचालित हो रही हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं का पूरी तरह अभाव है। गलियां आज भी कच्ची पड़ी हैं, नालों में गोबर भरा रहता है और नियमित सफाई की कोई व्यवस्था नहीं है। हालात इतने बदतर हैं कि गोबर बहकर सड़कों पर आ जाता है, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। बारिश के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है। कच्ची गलियों में कीचड़ भर जाता है, नाले ओवरफ्लो होकर सड़कों पर फैल जाते हैं और फिसलन के कारण लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। कई बार दूध लेने आए ग्राहकों के हाथ से दूध के बर्तन गिर जाते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। शहर के अंदर बनी डेयरियों को नगर निगम ने नोटिस देकर कन्हैली में शिफ्ट करने को कहा है, ताकि शहर में होने वाली सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या से निजात मिल सके। लेकिन कन्हैली में सुविधाओं के अभाव के कारण डेयरी संचालक यहां शिफ्ट होने को तैयार नहीं हैं। यहां के डेयरी संचालकों का कहना है कि नगर निगम की ओर से नालों की आज तक नियमित सफाई नहीं कराई गई। नतीजतन उन्हें खुद ही नालियों से गोबर निकालना पड़ता है। इससे न सिर्फ समय और मेहनत बर्बाद होती है, बल्कि स्वच्छता भी प्रभावित होती है। स्थानीय लोगों और डेयरी संचालकों की मांग है कि कन्हैली डेयरी कॉम्प्लेक्स में पक्की सड़कें बनाई जाएं, नालियों की नियमित सफाई हो और बारिश से पहले ठोस इंतजाम किए जाएं। तभी यहां की बदहाली दूर हो सकेगी और शहर व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों को राहत मिल पाएगी।

लोगों और डेयरी संचालकों की मांग है कि कन्हैली डेयरी कॉम्प्लेक्स में पक्की सड़कें बनाई जाएं

2001 में चौटाला सरकार ने शिफ्ट करने की बनाई थी योजना

इस समस्या से निजात दिलाने के लिए वर्ष-2001 में चौटाला सरकार ने करोड़ रुपयों से कन्हेली रोड स्थित डेयरी शिफ्ट करने की योजना बनाई थी। कन्हेली में वर्ष-2004 में डेयरी कॉम्पलेक्स शुरू हुआ। इसके बाद दुर्गा भवन स्थित डेयरी मोहल्ले के संचालकों ने स्थानांतरण शुरू किया। अब तक महज 100 के करीब डेयरी संचालकों ने ही स्थानांतरण किया। 25 वर्ष बाद 70 प्रतिशत डेयरी की जगह खाली है। दुर्गा भवन स्थित डेयरी मोहल्ले, पीर कॉलोनी, कच्चा बेरी रोड, मालगोदाम रोड सहित कई इलाकों में डेयरी चल रही है। इनसे निकलने वाले गोबर को पानी डालकर नालियों को बहाया जाता है। सीवर लाइन और नालियां ब्लॉक हो जाती हैं।

हाल-बेहाल

निकलना मुश्किल

हम रोजाना यहां दूध लेने आते हैं, लेकिन गलियों की हालत ऐसी है कि निकलना मुश्किल हो जाता है। फिसलन इतनी ज्यादा होती है कि हर वक्त गिरने का डर रहता है।
- जसबीर कुमार

गंदगी से जूझ रहे

यहां पक्की सड़क, नालियों की सफाई और रोशनी की व्यवस्था हो जाए तो हम आसानी से काम कर सकते हैं। अभी तो हर दिन कीचड़ और गंदगी से जूझना पड़ता है।
- विनोद कुमार, डेयरी संचालक

सिर्फ नोटिस, सुविधाएं नहीं

निगम नोटिस तो देता है, लेकिन सुविधाएं देने के नाम पर कुछ नहीं करता। बिना इंफ्रास्ट्रक्चर के शिफ्टिंग कैसे संभव है। हालांकि एक पार्किंग एरिया के पास इंटरलॉकिंग टाइलें जरूर बिछाई है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं की अभी भी जरूरत है।
-जगदीश मलिक

डेयरी संचालक शिफ्ट नहीं कर रहे

वहां पर कार्य चल रहा है, डेयरी संचालक वहां पर डेयरी शिफ्ट नहीं कर रहे है। 16 करोड रुपये की लागत से वर्क आर्डर हो रखा है। वहां पर सभी गलिया पक्की की जाएगी। जल्द वहां पर सुविधाएं बढ़ेगी। किसी को भी परेशानी का सामना नहीं करने दिया जाएगा। **-नमिता कुमारी, संयुक्त आयुक्त, नगर निगम**

28 फरवरी को वार्डवार मतदाता सूची का होगा ड्राफ्ट प्रकाशन: डीसी

रोहतक। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सचिन गुप्ता ने बताया कि हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के माध्यम से नगर पालिका सांपला के आम चुनाव-2026 के दृष्टिगत मतदाता सूची में संशोधन के लिए कार्यक्रम जारी किया गया है। सचिन गुप्ता ने बताया कि नगर पालिका चुनाव नियमावली 1978 के नियम 4(4)(1) एवं 4(4)(2) से (7) के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियों के निपटान के लिए महम स्थित सहकारी चीनी मिल के प्रबंध निदेशक मुकुन्द (मोबाइल नं. 8708152196) को रिवाइजिंग अथॉरिटी तथा सांपला के नायब तहसीलदार अशोक कुमार (मोबाइल नं. 9466836288) को सहायक रिवाइजिंग अथॉरिटी नियुक्त किया गया है। सांपला नगरपालिका सचिव नरेंद्र (मोबाइल नं. 9996444660) को अधिसूचना में वर्णित समय-सारणी व दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी वार्डों की मतदाता सूची के प्रकाशन हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि निर्धारित मतदाता सूची संशोधन कार्यक्रम के तहत 27 फरवरी 2026 तक संबंधित विस निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची का वार्डवार ड्राफ्ट प्रकाशन होगा तथा 28 को दावे व आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए वार्डवार प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 7 मार्च तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकेंगी, 12 मार्च तक दावे एवं आपत्तियों का निपटारा किया जायेगा तथा 16 मार्च तक रिवाइजिंग अथॉरिटी के आदेशों के विरुद्ध उपायुक्त के समक्ष अपील दायर की जा सकेगी। 19 मार्च तक अपीलों का निपटारा कर 27 मार्च को सूची का अंतिम प्रकाशन जाएगा।

म्हारा गांव जगमग गांव योजना में घरों के बाहर मीटर लगाकर 24 घंटे की जानी थी बिजली आपूर्ति

रोहतक। म्हारा गांव जगमग गांव योजना बिजली वितरण निगम अफसरों की लचर कार्यप्रणाली के चलते सिरे नहीं चढ़ पा रही है। वर्ष 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के गांवों में जहां बिजली चोरी नहीं होती है वहां पर 24 घंटे बिजली आपूर्ति शुरू कराने के लिए इस योजना की घोषणा की थी। योजना लागू हुए 10 साल बीत चुके हैं। इस योजना को रोहतक सर्कल के तीन डीविजनों में बाटा गया था। लेकिन यह योजना सब डीविजन नंबर एक में ही लागू हो पाई है। इसके अलावा रोहतक सर्कल में योजना के तहत चयनित गांवों में ग्रामीणों के विरोध के चलते यह योजना फाइलों में दब गई है। योजना के तहत चयनित 172 गांव में बिजली मीटर कनेक्शनों को घरों से बाहर निकालकर पोल पर लगाया जाना था, ताकि बिजली चोरी के साथ लाइनलॉस को रोका जा सके। लेकिन 10 साल में बिजली निगम के अफसरों द्वारा महज 70 गांव में मीटर को घरों के बाहर लगाने में सफलता मिल सकी। वहीं, 75 गांव में काम चल रहा है और 27 गांव में बिजली उपभोक्ताओं ने विरोध कर मीटर को घरों से बाहर लगाने नहीं दिया है। ऐसा नहीं है कि बिजली निगम ने इन गांव से खराब मीटर बदलकर नए मीटर लगाने का काम नहीं किया गया हो।

27 गांवों ने किया विरोध

बिजली निगम के अधिकारियों की मानें तो 27 गांवों में उपभोक्ता मीटर बाहर लगवाने को तैयार ही नहीं हैं। बिजली निगम की टीम तो इन गांवों में गई लेकिन गांव वालों ने कर्मचारियों को मीटर बाहर नहीं लगाने दिए।

बिजेंद्र नरवाल, एसई, रोहतक

75 गांव में चल रहा काम

वहीं योजना 70 गावों में सिरे चढ़ चुकी है यानी इन गावों में सभी उपभोक्ताओं के घर के बाहर मीटर लगाए जा चुके हैं। 75 अन्य गावों में मीटर बाहर लगाने का कार्य जोरों पर चल रहा है और बहुत जल्द सभी घरों के बाहर मीटरों को शिफ्ट कर दिया जाएगा। जहां लाइनलॉस रुकेगा वहीं बिजली चोरी के मामलों पर भी अंकुश लगेगा।

शिक्षक संघ ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

महम। विधायक बलराम दांगी को ज्ञापन सौंपते राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षक।

महम। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ रोहतक के शिक्षकों ने महम से कांग्रेस पार्टी के विधायक बलराम दांगी को एक ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में शिक्षकों ने प्रदेश सरकार से ट्रांसफर पॉलिसी में ब्लॉक में 15 साल की शर्त हटाने, अध्यापको की एसीपी उनकी नियुक्ति के समय के रूल के हिसाब से लगाने, आश्रित माता -पिता व अन्य परिवार जनों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति हेतु 42000 की आय सीमा को समाप्त कर असीमित करने और नए शैक्षिक खंड बनाने की मांग की। प्राथमिक शिक्षकों ने अपने मांग पत्र में बारहवीं कक्षा में 45 प्रतिशत अंकों की शर्त पूरी होने पर एसीपी का लाभ प्रदान किया जाए। प्राथमिक शिक्षकों ने राज्य उपप्रधान ललित कुमार के नेतृत्व में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा,बेरी विधायक रघुवीर कादयान, रोहतक विधायक भारत भूषण बत्रा और कलानौर विधायिका शकुंतला खटक को भी अध्यापको की समस्याओ को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर संघ के जिला कोषाध्यक्ष विजय जिला प्रधान रामराज कादयान, राज्य उप प्रधान ललित कुमार, जिला कोषाध्यक्ष विजय हुड्डा, जिला वरिष्ठ उप प्रधान संदीप दहिया, उपप्रधान राम प्रवेश, उपप्रधान आशीष दलाल, अनिल मेहरा, नरेंद्र मौर्य, कुलदीप राठी व उपप्रधान सुभाष सिंधु आदि मौजूद थे।

रोहतक। जिला जेल में बंदियों की सुनवाई करते जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान।

जेल लोक अदालत: एक बंदी रिहा : सीजेएम

रोहतक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान की अध्यक्षता में जिला जेल में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस जेल लोक अदालत में कुल दो मुकदमों की सुनवाई की गई, जिनमें से एक मामले का सफलतापूर्वक निपटारा करते हुए एक बंदी को रिहा किया गया। लोक अदालत के माध्यम से बंदियों को त्वरित एवं सुलभ न्याय प्रदान करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने कहा कि आगामी 14 मार्च 2026 को रोहतक कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के लंबित मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे अपने लंबित मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में रखवा कर शीघ्र, सस्ता एवं सुलभ न्याय प्राप्त करें तथा अधिक से अधिक संख्या में इस अवसर का लाभ उठाएं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा न्याय को आमजन तक सरल और प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

एनजीओ के सहयोग से रक्तदान शिविरों की बढ़ाएं संख्या

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने रेडक्रॉस समिति की समीक्षा बैठक की

रेडक्रॉस समिति पांच हजार वालंटियर को तैयार करेगी

रोहतक। उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के प्रधान सचिन गुप्ता ने कहा कि जिला में स्कूलों व कॉलेजों से 5 हजार वालंटियर तैयार किए जाए। समिति द्वारा जिला में सिविल डिफेंस की टीम तैयार की जाये तथा रक्तदान शिविरों की संख्या बढ़ाई जाये ताकि सभी जरूरतमंद व्यक्तियों को रक्त उपलब्ध करवाया जा सके। सचिन गुप्ता स्थानीय कैंप कार्यालय में जिला रेडक्रॉस सोसायटी की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला में स्कूलों व कॉलेजों से लगभग 5 हजार वालंटियर तैयार किए जाए। समिति द्वारा स्कूल व कॉलेजों में विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग की मदद से सलम एरिया में युवाओं की पहचान कर उन्हें होम नर्सिंग का प्रशिक्षण दिया जाये। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि जिला में सिविल डिफेंस की टीम तैयार की जाए। गुरुग्राम स्थित सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन मोहित शर्मा को इस संदर्भ में दिशा-निर्देश दिए गए। अधिक से अधिक नागरिकों को नागरिक सुरक्षा कार्यक्रम से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

रोहतक। समिति के अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते उपायुक्त सचिन गुप्ता।

420 शिविर किए आयोजित

डीसी ने कहा कि समिति द्वारा गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर रक्तदान शिविरों की संख्या बढ़ाई जाए। समिति द्वारा पार्क इत्यादि में बुजुर्गों के बीपी, शुगर इत्यादि के टेस्ट निरंतर करवाये जाए। डीसी ने समिति के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे रेडक्रॉस समिति के संसाधनों का सही तरीके से रखरखाव करें तथा समिति के भवनों व भूमि आदि का पूर्ण विवरण तैयार करें। उन्होंने समिति की आय व खर्च की भी समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कुष्ठ आश्रम के भवन का रखरखाव करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर समिति के सचिव विकास, गुरुग्राम सिविल डिफेंस के मुख्य वार्डन मोहित शर्मा, समिति के जिला प्रशिक्षण प्रभारी रविदत्त, लेखाकार आशीष खासा व अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

योजना

1 लाख 80 हजार से कम आय वालों को सरकार ने दी थी सुविधा

1000 किलोमीटर फ्री यात्रा कर चुके पूरी अब दोबारा मुफ्त सफर करने की चाह

परिचालक नियमानुसार टिकट काटते हैं और कई बार जुर्माना भी लगाया जाता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

राज्य सरकार की 1000 किमी फ्री यात्रा योजना के तहत जारी किए गए यात्रा कार्ड को लेकर एक बार फिर भ्रम की स्थिति सामने आ रही है। हरियाणा रोडवेज के डिपो और संबंधित कार्यालयों में बड़ी संख्या में लोग दोबारा कार्ड बनवाने या रिचार्ज कराने पहुंच रहे हैं। यात्री अधिकारियों से कह रहे हैं कि उनका कार्ड चल नहीं रहा और इसमें फिर से रिचार्ज किया जाए, जबकि योजना के नियमों के अनुसार यह कार्ड केवल 1000 किमी की यात्रा तक ही मान्य है।

लोग किसी और के कार्ड का इस्तेमाल न करें

अब जरूरत इस बात की है कि यात्रियों को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि 1000 किलोमीटर पूरा होते ही कार्ड अमान्य हो जाता है। साथ ही यह भी जरूरी है कि लोग किसी और के कार्ड का इस्तेमाल न करें। इससे न केवल नियमों का पालन होगा, बल्कि योजना का लाभ सही पात्र लोगों तक सीमित और प्रभावी रूप से पहुंच सकेगा। -हंसराज, संस्थान प्रबंधक, रोडवेज डिपो

अन्य के कार्ड पर यात्रा भी करते है लोग

एक और चिंता का विषय यह है कि कुछ यात्री दूसरे लोगों के कार्ड पर यात्रा करने लगे हैं। ऐसे मामलों में बस परिचालक सतर्कता बरतते हुए टिकट जांच करते हैं। यदि कार्ड पर दर्ज नाम और यात्री का मिलान नहीं होता, तो परिचालक नियमानुसार टिकट काटते हैं और कई बार जुर्माना भी लगाया जाता है। रोडवेज कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह की गड़बड़ियों से योजना की पारदर्शिता प्रभावित होती है।

परिचालकों को समझाते हैं यात्री

बसों में कार्ड की जांच और नियमों को लागू करने की जिम्मेदारी परिचालकों पर है। रोजाना उन्हें यात्रियों को यह समझाना पड़ता है कि कार्ड सीमित दूरी के लिए ही था। कई बार इसको लेकर बहस की स्थिति भी बन जाती है। परिचालकों का कहना है कि अगर योजना की शर्तों का प्रचार पहले से बेहतर तरीके से किया जाता, तो ऐसी दिक्कतें कम होतीं।

यह पात्र

इस योजना के अंतर्गत उन पात्र यात्रियों को फ्री यात्रा कार्ड वितरित किए गए थे, जिनकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम है। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को राज्य परिवहन में राहत देना था, ताकि उन्हें रोजमर्रा की आवाजाही में खर्च न उठाना पड़े। लेकिन 1000 किलोमीटर की सीमा पूरी होने के बाद कार्ड निष्क्रिय हो जाता है, जिसे न तो रिचार्ज किया जा सकता है और न ही दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है। अधिकतर यात्रियों को योजना की शर्तों की पूरी जानकारी नहीं है। इसी कारण वे यह मान रहे हैं कि कार्ड प्रीपेड या सामान्य स्मार्ट कार्ड की तरह रिचार्ज हो सकता है। जब उन्हें बताया जाता है कि 1000 किलोमीटर पूरे होने के बाद कार्ड बेकार हो जाता है, तो कई यात्री निराश होकर लौट जाते हैं। कार्यालयों में रोजाना ऐसे मामलों की संख्या बढ़ रही है।